धान क्रय नहीं होने पर नाराजगी जताई

पैक्स अध्यक्षों के साथ एसडीएम ने की बैठक, एक भी पैक्स अध्यक्ष को धान खरीद के लिए ऋण नहीं दिया गया

- पैक्स अध्यक्षों ने सरकार की धान खरीद नीति पर एतराज जताया
- गाड़ी का भाड़ा नजदीक एवं दूर वाले पैक्स सेंटर से एक समान रखा गया

पैक्स अध्यक्ष संग बैठक करते एसडीओ • जागरण

झंझारपुर(मधुबनी), संवाद सहयोगी: धान अधिप्राप्ति की शुरूआत से पन्द्रह दिन बीतने के बाबजूद अभी तक अनुमंडल के अधीन 78 पैक्स में से एक भी पैक्स ने एक किलो धान की खरीद नहीं की। इससे चिंतित एसडीओ विमल कुमार मंडल ने शुक्रवार को अनुमंडल के चारो प्रखण्ड के कुल 78 पैक्स अध्यक्षों संग अनुमंडल कार्यालय के सभागार में बैठक की। पैक्स अध्यक्षों ने सरकार की धान खरीद नीति पर कड़ा एतराज जताया। पैक्स अध्यक्षों ने खुलकर एसडीओ से कहा कि अभी तक एक भी पैक्स अध्यक्ष को धान खरीद करने हेतु ऋण नहीं दिया गया है। जिस पैक्स के पास अपनी पूंजी है वह बिना ऋण लिए धान की खरीद नहीं कर सकता, ऐसा नियम है।

इस स्थिति में धान की खरीद कैसे संभव है। पैक्स अध्यक्षों ने कहा कि पूंजी उपलब्धता वाला पैक्स आखिर ऋण पर सूद की अदाएगी कर धान की खरीद क्यों करे। साथ ही पैक्स अध्यक्षों ने एसडीओ से कहा कि किसानों से धान क्रय करने के बाद उसे मीलर के यहां भेजना पड़ता है। मालवाहक गाड़ी का भाड़ा नजदीक एवं दूर वाले पैक्स सेंटर से एक समान रखा गया है। जबकि इसमें भिन्नता होनी चाहिए। पैक्स अध्यक्षों ने एसडीओ से मांग की कि अविलंब ऋण देय सुनिश्चित किया जाए तथा मालभाड़ा की समीक्षा की जाए ताकि पैक्स को परेशानी से बचाया जा सके। पैक्स अध्यक्षों ने धान में नमी का भी सवाल उठाया। एसडीओ ने कहा कि किसानों से धान की खरीद करना प्राथमिकता है। वे बैंक द्वारा धान खरीद हेतु दिए जानेवाले ऋण की शीघ्र अदाएगी के लिए डीएम को पत्र लिखेंगे तथा मालभाड़ा के लिए डीएम से वार्ता करेंगे।

बैठक में झंझारपुर सह लखनौर सह मधेपुर के बीसीओ सुजीत कुमार एवं अंधराठाढ़ी के बीसीओ कृष्णा प्रसाद के अलावे पैक्स अध्यक्ष रामचन्द्र मंडल, अमरनाथ झा, चंद्रकांत मिश्र, मनोज कुमार झा, श्रवण झा, रामू यादव, रमण सिंह, नारायण महतो, रामगुलाम भंडारी, मो. नसीम, अशोक झा, भाष्कर कुमार, वीरेन्द्र कुमार, राजेन्द्र झा, संजय झा, कन्हैया झा, पवन झा सहित अन्य थे।

केरोसिन नहीं मिलने पर किया सड़क जाम

झंझारपुर(मधुबनी), संस :लखनौर प्रखण्ड के कछुआ पंचायत के नन्देनगर गांव के जनवितरण प्रणाली के उपभोक्ताओं ने केरोसीन नहीं मिलने से क्रोधित होकर प्रशासन के खिलाफ तमुरिया-मधेपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। जाम कर रहे उपभोक्ताओं की शिकायत है कि उनलोगों को पहले केरोसीन मिलता था लेकिन इस माह से उनका डीलर हसीम लाल साह केरोसीन नहीं दे रहे तथा कह रहे हैं कि अब उनलोगों का केरोसीन नहीं आ रहा है। थोड़ी देर जाम के बाद कछुआ पंचायत के मुखिया रामचन्द्र राउत जाम स्थल पर पहुंचे तथा आक्रोशित लोगों को आश्वस्त किया कि वे इस संबंध में एमओ, एसडीओ तथा डीएम को लिखेंगे ताकि केरोसीन की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। मुखिया श्री राउत ने कहा कि उनके समझाने के बाद लोग मान गए।

राशि स्थानान्तरित नहीं होने से किसानों का धान रुका

परेशानी

- गेहूं बोआई और अन्य जरूरतों को पूरा करने हेतु पैसों की सख्त जरूरत
- किसान 1130-1140 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान बेच रहे

खुटौना (मधुबनी), संस : प्रखण्ड के पैक्सों के बैंक खातों में कैश क्रेडिट (सीसी) के जरिए राशि स्थानान्तरित नहीं होने के कारण किसानों से धान अधिप्राप्ति का काम रुका हुआ है। बीते सोमवार को चतुर्भुज पिपराही पैक्स के जटही स्थित गोदाम पर एक किसान से 50 क्विंटल धान खरीदकर धान अधिप्राप्ति का शुभारंभ किया गया था।

उक्त पैक्स के रहिका सेन्ट्रल को-ओपरेटिव बैंक की खुटौना शाखा में कैश क्रेडिट की राशि स्थानान्तरित नहीं हो पाने के कारण धान बेचने वाले किसान होरिल प्रसाद गुप्ता को भुगतान नहीं हुआ और वे तब से बार-बार पैक्स अध्यक्ष को तकादा कर रहे हैं। उन्हें गेहूं बुआई और अन्य जरूरतों को पूरा करने हेतु पैसे की शख्त जरूरत है। नहरी पंचायत के पूर्व मुखिया एवं प्रगतिशील किसान चन्द्रकिशोर सल्हैता बताते हैं कि पैक्सों के माध्यम से धान खरीद नहीं होने के कारण गेहूं की बुआई हेतु खाद-बीज खरीदने व दीगर जरूरतों के लिए मजबूर होकर किसान व्यापारियों के हाथ 1130-1140 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान बेच रहे हैं। कारमेघ उत्तरी के पैक्स अध्यक्ष विनोद सिंह, नहरी के शिवचरण यादव, परसाही पूर्वी के प्रमोद कुमार साह तथा खुटौना के शत्रुघ्न मंडल ने बताया कि किसानों ने ऑनलाइन पंजीकरण करा लिया है किन्तु जबतक पैक्सों के खातों में कैश क्रेडिट के जरिए राशि स्थानान्तरित नहीं होती धान खरीदना संभव नहीं है। इस सम्बन्ध में पूछने पर बीसीओ अमित कुमार ने कहा कि रहिका सेन्ट्रल को-ओपरेटिव बैंक के अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो जाने के कारण डीएम, मधुबनी इसके प्रशासक बनाए गए हैं।

जिला के पैक्सों में कैश क्रेडिट के प्रस्तावों के संकलन में थोड़ा समय लग गया इस वजह से देरी हुई। कहा कि दो-तीन दिनों के अन्दर डीएम से अनुमोदन हो जाने के बाद यह समस्या हल हो जाएगी।